>

Title: Need to make easy availability of Government medical facilities to the poor and formulate rules to regulate exorbitant medical bills of private hospitals in the country.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सदन कोइस बात से अवगत कराना चाहता हूं कि देश में बीमारी का इलाज कराना प्रतिदिन महंगा होता जा रहा है। आज चिकित्सा सुविधा जनता की आर्थिक क्षमता से बाहर हो गई है। देश में प्राइवेट अस्पताल काफी संख्या में हैं। किन्तु इन अस्पतालों में इलाज करानेका मतलब है हमेशा के लिए कर्ज में डूब जाना। यह एक आम धारणा है कि यह अस्पताल पैसा कमाने का जरिया बन गये हैं।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति सब जानते हैं। ग्रामीण रूग्णालयों का होना न होना बराबर है। सरकार लगातार नई नई योजनाएं बनाती है और विज्ञापनों पर करोड़ों का खर्च भी करती है लेकिन यह सारी योजनाएं गरीबों तक नहीं पहुंचती। इसी तरह सस्ती दवाईयों का वितरण भी अनियमितताओं में फंस गया है, कई सरकारी अस्पतालों में दवाईयों की कमी पायी गई है।

आज देश के सभी वर्गके लोग चिकित्सा सुविधा को लेकर असंतुष्ट हैं और प्राइवेट अस्पतालों के बिलों से भी परेशान हैं। सरकार का प्राइवेट अस्पतालों के बिलों पर कोई नियंत्रण नहीं है ना इनके हेतु कोइ नियम है।

मेरा सरकार से निवेदन है कि सरकारी स्वास्थ्य योजनायें गरीबों तक पहुंचाने के लिए सख्त कदम उठाये, और प्राइवेट अस्पतालों द्वारा वसूले जा रहे चिकित्सा बिल के नियंत्रण के लिए कोई नियम कानून बनाये।